Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**MD-CT-301**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination December-2023**

**M.A. Darshan, Semester: Third**

**Yog : Paper –I**

**Sankhya Yog**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

---

**नोट** : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड–क
## (दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

**1.** विभूतिपाद में वर्णित ध्यान, धारणा और समाधि के स्वरूप और फलों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

**2.** एकाग्रता परिणाम, समाधिपरिणाम तथा निरोध परिणाम की विस्तृत व्याख्या योगसूत्र और भाष्य के अनुसार उल्लेख करें।

**3.** क्षणिक विज्ञान की असारता का निरुपण करते हुये धर्मी के स्वरूप का प्रतिपादन विस्तार से करें।

**4.** सांख्यदर्शन के अनुसार नवधातुष्टि तथा अष्टधासिद्धि के विषय में विस्तार से वर्णन करें।

**5.** ''स्थूलदेह चेतनारहित है'' सांख्यप्रदत्त युक्तियों के माध्यम से सुस्पष्ट विवेचन प्रस्तुत करें।

## खण्ड–ख
## (लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (7) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पाँच (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

**6.** योग के बहिरंगों का संक्षिप्त विवरण लिखें।

**7.** मन अन्नमय तथा अनुपरिमाण वाला है'' सांख्य दर्शन के अनुसार विवेचन प्रस्तुत करें।

**8.** 'सांख्यदर्शन के अनुसार जीवन्मुक्त कौन है'' विवरण प्रस्तुत करें।

**9.** ''क्रम की भिन्नता परिणाम की भिन्नता में कारण है'' योगसूत्र और भाष्य के अनुसार सिद्ध करें।

**10.**''संस्कार के साक्षात्कार से पूर्व जाति का ज्ञान होता है'' व्यासभाष्य के सन्दर्भानुसार व्याख्या करें।

**11.**योगसूत्र और भाष्यानुसार विवेकज ज्ञान का स्वरूप प्रतिपादन करें।

**12.**विभूतिपाद के अनुसार कैवल्य के स्वरूप की व्याख्या संक्षेप में प्रस्तुत करें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**MD-CT-302**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination December-2023**

**M.A. Darshan, Semester: Third**
**Vaisheshik**
**Nyay-Vaisheshik-3**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

**नोट** : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड–क
## (दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(15×3=45)**

**1.** इन्द्रिय भौतिक या अभौतिक हैं? सप्रमाण –ससूत्र विवेचन करें।

**2.** 'युगपज्ज्ञानानुत्पत्तिर्मनसो लिंगम्' इसको प्रमाण सहित व्याख्या करें।

**3.** प्रशस्तपादभाष्यानुसार 'गमनप्रकरण' का निरूपण करें।

**4.** महर्षि कणाद के अनुसार अदृष्टोत्पादक (धर्म) साधनों का उल्लेख करें।

**5.** बुद्ध्यनित्यत्व को सिद्ध करते हुए बुद्धि किसका गुण है? स्पष्ट करें।

## खण्ड–ख
## (लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (7) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पाँच (5) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

**6.** वैशेषिक के पीलुपाकवाद का निरूपण करें।

**7.** वैशेषिक सूत्रानुसार रागोत्पत्ति के विभिन्न कारणों का उल्लेख करें।

**8.** वैशेषिक के 'परिमाण' नामक गुण का संक्षिप्त वर्णन करें।

**9.** 'ज्ञातुर्ज्ञान साधनोपपत्तेः संज्ञाभेदमात्रम् इस सूत्र को भाष्य सहित व्याख्या कीजिए।

**10.** प्रवृत्ति और निवृत्ति क्या है? स्पष्ट करें।

**11.** न्यायमत में शरीर पंचभौतिक है या एकभौतिक प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।

**12.** ''आत्मा शरीरादि से अतिरिक्त है''–सप्रमाण सिद्ध करें।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**MD-CT-303**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination December–2023**

**M.A. Darshan, Semester: Third**

**दर्शन : प्रश्न-पत्र : तृतीय**

**वेदान्त-मीमांसा-3**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

---

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड-क
## (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. जीवस्य सूक्ष्मशरीरेणगमन निरूपयत।
2. इष्टादिकर्मविहिनस्य कीदृशप्रकारकगमगमिति लिखत।
3. मुक्तेः ज्ञानसाध्यत्वं निरूपयत।
4. अपूर्वविधिं सोदाहरणं निरूपयत।
5. अर्थवाद निरूपयत।

## खण्ड-ख
## (लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. उपसंहारव्यतिहारौ सोदाहरणम् निरूपय।
7. वेधाद्यर्थभेदात् सप्रसङ्गं सूत्रं व्याख्यात।
8. गृहस्थाय अश्रमान्तरकर्मानुष्ठानं किं प्रकारकम्।
9. वेदान्तदर्शनानुसारेण पुनर्जन्मविषये प्रबन्धमारचयत।
10. मोक्षः केन साध्यः इति विस्तरेण लिखत।
11. मन्त्रं निरूपयत।
12. आर्थिभावना एवं शाब्दिभावनां निरूपयत।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**MD-CT-304**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination December–2023**

**M.A. Darshan, Semester: Third**

**दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ**

**वैदिकेतर दर्शन–3**

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

---

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

## खण्ड–क
## (दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. स्फोटवाद की व्याख्या करें।
2. व्याकरण से अभ्युदय और निःश्रेयस की प्राप्ति पर प्रकाश डालें।
3. प्रतिभिज्ञा दर्शन में ज्ञान शक्ति और क्रिया शक्ति का वर्णन कीजिए।
4. भारतीय दर्शन की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
5. गीता की लोकप्रियता के प्रमुख कारणों का विवेचन कीजिए।

## खण्ड–ख
## (लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. शब्द की नित्यता पर प्रकाश डालें।
7. व्याकरण दर्शन के अनुसार "शब्द-ब्रह्म" का निरूपण करें।
8. पूर्णप्रज्ञा दर्शन में द्वैत कितने प्रकार के माने गए हैं? नाम लिखें।
9. प्रतिभिज्ञा दर्शन की आवश्यकता पर टिप्पणी लिखें।
10. पूर्णप्रज्ञ दर्शन के अनुसार 'तत्त्वमसि' शब्द का अर्थ स्पष्ट करें।
11. आनंदतीर्थ दर्शन में द्वैतवाद की स्थापना के क्या कारण थे?
12. भारतीय दर्शन प्रवृत्ति से निवृत्ति की ओर गमन करता है? स्पष्ट करें।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

**Paper Code**
**MD-GE-307**

# पतंजलि विश्वविद्यालय

# University of Patanjali

**Examination December–2023**

**M.A. Darshan, Semester: Third**

**इतिहास**

## गुप्तकाल का इतिहास

**Time: 3 Hours** **Max. Marks: 70**

---

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### खण्ड–क
### (दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. समुद्रगुप्त की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।
2. सिद्ध कीजिए कि चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य गुप्त वंश के महानतम् शासक थे।
3. गुप्तकालीन समाज की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
4. गुप्तकालीन कृषि व्यवस्था पर एक निबंध लिखिए।
5. गुरूकुलीय शिक्षा व्यवस्था पर एक निबंध लिखिए।

### खण्ड–ख
### (लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. चन्द्रगुप्त प्रथम की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।
7. स्कन्दगुप्त की विजयों का वर्णन कीजिए।
8. गुप्त वंश के इतिहास के जानने के साधनों का वर्णन कीजिए।
9. आश्रम व्यवस्था पर टिप्पणी लिखिए।
10. नारद स्मृति के आधार पर विवाह के प्रकार लिखिए।
11. गुप्तकालीन व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
12. नालन्दा विश्वविद्यालय के विषय में आप क्या जानते हैं?

----------X----------